

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4298540



शिखना पत्र

लेल पत्र का संक्षिप्त विवरण

१.	शूष्टि का प्राप्त	१. गृहि
२.	पत्रादा	: शिखनीर
३.	पात्र	: शिखनीर
४.	सम्बन्धि जा विभाग (राज्यात्मक नं.)	: पुस्ति लाला लंबा-७७, ३, ५२
५.	मापदंड की इकाई	: रेम्डेस्ट
६.	विभिन्न समाज का संबोधन	: ०.५०८ विद्यमार

प्राप्ति का मात्रा

प्राप्ति का अवधारणा

भारतीय गैर-न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



७.	हमिला का इकान	:	लगि
८.	पेट्रो चा. पूर्वाखण	:	नरी
९.	बंडिलालुआ अस्त	:	नरी
१०.	गाहिला बी. फराहिं	:	रु. ५,३३,८५/-
११.	मालिका	:	रु. २,९३,२५०/-
१२.	सुरभ्य	:	रु. ४५,२५०/-

क्रमांक

लकड़ा नं. २२

सुरभ्य	लकड़ा संख्या-७७
परिषदा	लकड़ा संख्या-७९
जलट	लकड़ा संख्या-७६
दक्षिणा	लकड़ा संख्या-७८

प्रधान नियमित  
वालहाल उपर्युक्त  
कार्यालय

प्रधान नियमित  
वालहाल उपर्युक्त  
कार्यालय

गारन्टीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

क्रमांक 298733

१८५७

३

लाला नं. ५

पूर्ण  
परिवार  
जलाल  
राजिया

लाला नं. ५  
लाला संहिता-५  
लाला अंबिका-५३  
लाला राजिया-५५

लाला नं. २२

पूर्ण  
परिवार  
जलाल  
राजिया

लाला संहिता-२३  
लाला संहिता-२४  
लाला अंबिका-२१  
लाला संहिता-२१

१८५७ वार्ष

गोदान कुमार

३१(=५०५)

मिलान देव

४५(५०५)



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 4 -

मालय पत्र की संख्या-०६

ठिठोड़ पत्र की संख्या-०१

विद्वानगण का निवास	दौला का विवरण
(१) शिवपाल (२) गंगेश पालांड (३) कुबर चत्पन्न (४) गनेशलाल (५) लाल चन्द्र पुराण (६) विन्धुन व (७) शोक्ती शुद्धदत्ती पन्नी लाल विन्धुन विवाहित-पाम देवामल पट्टणा-विजनीर, लालहाल व लिला लक्ष्मणके।  अवधार्य - दृष्टि	वीरेन्द्र लालपार नवी पुन श्री राम विश्वन वनी विकासी- एक-५११, विनय लाल, गोपीनाथ, लखनऊ  स्वाक्षर - कृषि

दैनिक दृष्टि  
गोपीनाथ

प्रधानमंत्री

भारतीय गैर न्यायिक | INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 5 -

विभाज्य विलोम

यह विभाज्य विलोम (1) शिवपाल (2) गनेश मलाद (3) बूषण शाहदुट  
(4) मनोहरसाल (5) तारा खन्द चुडगापा हजुर दिल्ली व (6) अमिती  
सुखरामी पनी ८०० विष्णु निवारीगण-जाम खेवामऊ  
पहाड़ा-विलोम, रामकृष्ण व लिला लालकू मिल्हे आरो विलोमाग  
कहा रखा है, एवं बोर्ड कुमाट बमी पुर श्री दान विलोम बमी

१५०८/१८२२  
मेरा गुरु श्रीमान  
श्री लक्ष्मीनारायण

१५०८/१८२२  
१५०८/१८२२

१५०८/१८२२

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

क्रमांक 98194

४८५६

-०-

निवारणी - ४८-१/१११, विनाय स्ट्री, गोकर्ण नगर, लखनऊ मिन्हे  
आगे छेता कहा गया है, को मध्य निष्पादित जिला गदा।

सह नि. फिल्माण गुग्गी लखनऊ संलग्न-७२ रकमा ०.२०८० हेक्टेअर  
वर १/२ भाग यानि रकमा ०.१०४० हेक्टेअर, व लखनऊ संलग्न-३  
रकमा ०.११११ हेक्टेअर एवं लखनऊ संलग्न-२२ रकमा ०.३५५ हेक्टेअर  
के लोगून १५ प्रति घास यानि रकमा ०.१८२५ हेक्टेअर अर्थात् चुम्प  
तीन जिला व कुल रकमा ०.२८५५ हेक्टेअर लिखा-गाम- देखामल  
पहाना-फिल्म, ताहसील व जिला लखनऊ, को नालिक, के फिल व

प्रधान दस्तावेज़  
प्रधान दस्तावेज़  
प्रधान दस्तावेज़

प्रधान दस्तावेज़  
प्रधान दस्तावेज़

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON-JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 286050

- 7 -



कलमिल है तथा आठोंसाल रात्तापिल पटवारिंग कावा उच्छीनी जल  
संख्या 100 के अनुसार दवता भूमि विक्रीतामाण के नाम उन  
प्रमुख दहासुद राष्ट्रस्थ अधिकारियों में से गया है, उक्त घृणि विक्रीतामाण  
को विद्यासत्र ग्रे गिली है विक्रीतामाण अपना सम्पूर्ण दिस्ता भगवे एवं  
होशी ल्लास में बिना फैसी जोर वाबदली या इचान के, कला को  
इस लिक्रिया विलेल द्वारा विक्री कर रहा है विक्रीतामाण उपरोक्त सम्पूर्ण  
गृणि को ग्राहित, कालिल ग कलमिल है एवं दर्दान स्थान दवता चूमि  
कृणि चूनि है, और तां पि विक्रीतामाण यह योगित नहीं है वि

राम अहो  
देवी दुर्गा  
पूजा द्वारा

मनोहर लाल

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

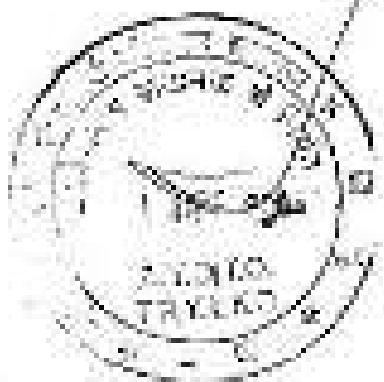
RS.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 236051



- 8 -

मुख्यमंत्री वर्षित भूमि सभी ज़मार के गाड़ी के मुकाबले माल व साफ  
हो गया दिल्लीगढ़ ने उसी हठ गिराव के पुरुष क़र्त्ता का, निया, गिरवी  
या अनुबंधित हस्ताबिं नहीं दिया है। उगलोगत भूमि या उत्तम कोई  
गाड़ी नाचालव या जल्कारी कार्रवाही के अलंकृत विमान वा  
उत्तरु दिया नहीं है, वह ही गुर्व इत्यादि है। नियंत्रण के अलाला  
उत्तम भूमि में दिल्ली शब्द अविल एवं उत्तम, एवं या दावा हस्ताबिं नहीं  
है, एवं दिल्लीगढ़ यह उत्तम नियंत्रण अन्वारज वाली एवं पूर्ण अधिकार  
प्राप्त है। अतएव उत्तम उत्तमी के फलासाम रु. 5.92.651/-

दिल्ली गैर न्यायिक  
प्रशासन दिल्ली

दिल्ली गैर न्यायिक

(ट्रॉ) - १०३

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVETHOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 9 -

(लक्ष्मणा पाँच लाख रुपये हजार रु. श्री इयरावत मात्र) में प्रतिशत में  
जिसका नि: उपरोक्त छंटा छाता विक्रेतागत की इस विलेख के अन्त  
में ही गई अनुसूची में परिचय विधि के अनुसार अनुदान द्वारा दिया गया  
है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेतागत वही न्यौतार करता है, तथा अनुदान  
द्वारा विक्रेतागत दृष्टि के साथ भी सेवा कुर्ता कर्ता पुरुष जी द्वारा कियाजान  
कर्ता नियासी- इल-प्र० ११, विनय नगर, गोपनी नगर, लखनऊ के  
हाथ द्वारा दिया गया वर्णन मूलि, जिहवा विकरण इस विला विलेख के  
अन्त में अनुसूची के अनुसार दिया गया है, को बालौ जैव विदा है,

अपना दाता द्वारा दिया गया विला विलेख  
द्वारा दिया गया विला विलेख  
द्वारा दिया गया विला विलेख

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

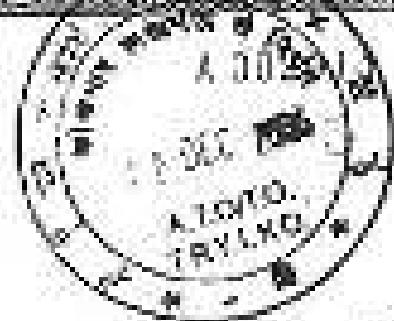
₹.5000

Rs.5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 10 -

एवं लिंगोत्तमगण ने विज्ञायशुद्ध सुषि तथा भीतों पर वस्त्रा क्षेत्र को बल्दाँ  
कहा दिया गया है। अब उन्हें आठाती चर मिलेतागण तथा उन्हें  
वाटिसान का कोई अधिकार नहीं है। लिंगोत्तमगण ने विज्ञायशुद्धा तथामिति  
के अपने एवगित के समस्त अधिकारों को दाय चुनौतिया व हमेशा के  
लिए रखा को इस्तान्तरिक कर दिया है। अब क्षेत्र विज्ञायशुद्धा तथामिति  
एवं उसकी एवं उसकी भाग को अब एकमात्र त्वार्थिक व अधिकार व  
क्षमते के समर्पित यो रूप में राखा एवं उपयोग व उपभोग करनें।  
लिंगोत्तमगण इसमें लिंगी प्रकार की अद्वितीय वाता नहीं हाल लायेंगे एवं

लिंगी वाता  
लिंगी वाता  
लिंगी वाता

लिंगी वाता  
लिंगी वाता  
लिंगी वाता

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVETHOUSAND RUPEES

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



म ही काई बाग छर लाखों। जीर विलक्षण रुपयिं अपना  
काई बाग विक्रेतागण के स्थानेवं ये शुद्धि के बाहर या कानूनी  
अवधारण वा कानूनी शुद्धि के काटण प्रेता। या इसके बाहिर  
निष्पादकागण इत्यादि के कामे या अधिकार या स्वास्त रो निभान जाए  
तो उसके बाहिरान, निष्पादकागण इत्यादि को यह एक छोगा हिं  
यह अपना समझता चुकाना या इसी व उसी, विक्रेतागण की चल,  
अचल समझता हो जरिये अद्वितीय विक्रेता कर ले। उद्देश्य में  
विक्रेतागण एवं उसके बाहिरान हरी व ऊर्ध्व देने हेतु बाब्द होगा।

मिशन परिषद्  
मुख्यमंत्री  
२०१५

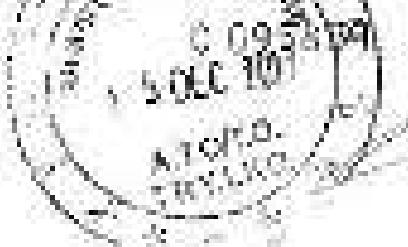
मिशन परिषद्  
मुख्यमंत्री

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 12 -

यह कि देना विभवशुद्ध सम्पत्ति और चाहिए आदेश राखना  
आगंतेलों में अपने जान दर्ज करने ने यह सिवेलागण को बोझे आपली  
न होती और यह कि हरा विभव विलेव के पूर्ण रूप अगर कोई  
बदलाव यिसी तरह यह भाव इस राष्ट्रता पर होगा जो उसके  
सिवेलागण कुगलान य बहन करें, सिवेलागण को बोझे आपली न  
होगा।

अधिकारी  
अधिकारी  
अधिकारी

अधिकारी  
अधिकारी

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 13 -

यह गैर न्यायिक साक्षाৎ कावड़ प्राप्त देशाभ्यास अर्थनाटीय दोष  
के सामान्य दाय के अनुगम आला है इसलिए निर्माण संसदिल २८  
अरब ११,००,०००/- प्रति एकड़ेयर के द्वितीय से चौथोंविंश के बिलकु  
अनुचार विक्रीत गृहि ०.२६६६ हेक्टेअर की मालिकता अरब  
२,७३,२८५/- होती है जो कि विकास पूर्व दो कम है इसलिए  
निकालनुसार विकास मूल्य पर ही रु ५९,३००/- अन्वेषण स्थान अदा  
किया जा रहा है। यह गैर न्यायिक विक्रीत गृहि कृषि को उत्तोग के  
लिए काव्य की जा रही है। इस गृहि के लंबाई गढ़, चूर्चा, बज्जाम, ख

गृहि अवधि  
२००५ अवधि

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 0958 53

13061 15

- 14 -

लिखित छापि नहीं है, साथा 200 रुपये के शार्पब्राउन में कोई निमाय नहीं  
है। लिखित भूमि किसी दिनक बारे, इनमार्ग व जनधारीय मार्ग पर सिक्खा  
नहीं है। निलील भूमि एकीष पर दो लगभग इह विलोमीटर से आधिक  
दूरी पर सिक्खा है। लिखितागण एवं लेता दोनों अनुसूचित जाति को  
सुन्दर हैं। हल्का निम्न विलोल के निवापन का समस्त व्यवहार लेता ही हर  
वहाँ सिक्खा गया है।

लिखिता यह चिन्हत विलेल लिखितागण ने लेता के गष औं  
लिखा दिया ताकि सनाद रहे और आपसम्बन्धीय पड़ याच आये।

पंक्ति ५१८।

मुद्रित ०३।०८।०८।

प्रभाग उपर्युक्त

पुनर्ज्ञान

प्रभाग

पुनर्ज्ञान

भारतीय और न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

0007854

516

- 15 -

परिसिवर : विवरण विद्यायशुद्धा राष्ट्रपति बन विवरण

भूमि छसठा संख्या-१७ रकमा ०.२०८५ एकड़ेअर का १/२ गांव  
यानि रकमा ०.१०४० एकड़ेअर, व अल्प संख्या-३ रकमा ०.०८९  
एकड़ेअर इव छसठा संख्या-२२ रकमा ०.३९९ एकड़ेअर को चोगफल  
के १/३ भाग यानि रकमा ०.१२६२६ एकड़ेअर भास्ति कुल तीन विलाय  
कुल रकमा ०.२८६६६ एकड़ेअर, दिल्ली-जाम देवासठा  
पट्टाना-किरानीद, नहरील व बिला लखनऊ

परिवार : भुगतान विवरण

बिला लखनऊ

बिला लखनऊ

बिला लखनऊ

बिला लखनऊ

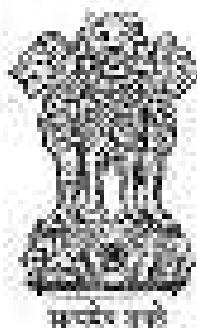
बिला लखनऊ

बिला लखनऊ

भारतीय नौर न्यायिक

एक सौ रुपये

रु. 100



Rs. 100

ONE  
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 347434

- 16 -



1. विधेना शिवगाला ने रु. 98,775/- (लेखा अद्यतनमें उत्तर सात सौ चालहस्तर मात्र) द्वारा चेक संलग्न। विधायिका 26.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक, शाही इंडोरागंडा, लखनऊ, उत्तरांचल द्वारा दिया।
2. विधेना गनेश प्रसाद ने रु. 98,775/- (लेखा अद्यतनमें उत्तर सात सौ चालहस्तर मात्र) द्वारा चेक संलग्न। विधायिका 26.12.2006 पंजाब नेशनल बैंक, शाही इंडोरागंडा, लखनऊ, उत्तरांचल द्वारा दिया।

विधेना शिवगाला  
उत्तरांचल  
पंजाब नेशनल बैंक

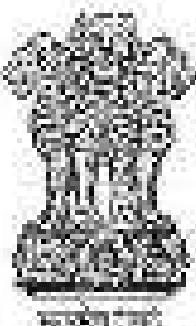
विधेना गनेश प्रसाद  
उत्तरांचल  
पंजाब नेशनल बैंक

भारतीय नौर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE  
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 347455



3. विजेंद्रा लक्ष्मण महादुर्ग ने ₹ १४,७७५/- (स्थाया अद्यतन) दाता श्री पवाललाल मात्र) द्वारा चेक संख्या - १०१५७२ दिनांकित २६.१२.२००६ एवां नेशनल बैंक, शाला इण्डियन, लखनऊ, झोटा से प्राप्त किये।
4. विजेंद्रा मनोहर लाल ने ₹ १४,७७५/- (स्थाया अद्यतन) दाता सत्त स्त्री पवाललाल मात्र) द्वारा चेक संख्या - १०१५७२ दिनांकित २६.१२.२००६ एवां नेशनल बैंक, शाला इण्डियन, लखनऊ, झोटा से प्राप्त किये।

विजेंद्रा  
मनोहर  
लाल

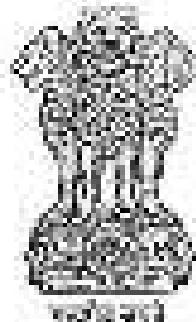
मनोहर  
लाल

मनोहर

भारतीय गैर-यायिक

एक सौ रुपये

₹. 100



Rs. 100

ONE  
HUNDRED RUPEES.

भारत INDIA  
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 347456

- 18 -



5. विलेश राठा यह ने ₹ 98,775/- (लगाता अद्वाने) उन्नात सौ गधड़तर मात्र। द्वारा चंड ज़िल्हा- ५३४६६ दिनांकित २६.१२.२००६ पंजाब नेशनल बैंक, शाही इंस्ट्रुमेंट, लखनऊ, ब्राता से जारी कियो।
6. विलेश श्रीमती सुखरानी ने ₹ ८५,७७६/- (लगाता अद्वाने) उन्नात सौ डिल्ली गाँव द्वारा चंड दाता बैंक दातृता- ५३४६६ दिनांकित २६.१२.२००६ पंजाब नेशनल बैंक, शाही इंस्ट्रुमेंट, लखनऊ, ब्राता से प्राप्त किए।

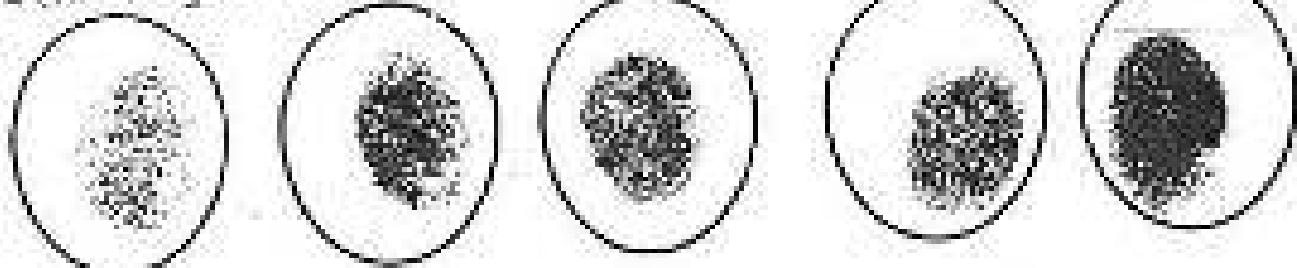
विलेश राठा  
उत्तर प्रदेश  
पंजाब नेशनल  
बैंक

मराठा दाता  
उत्तर प्रदेश  
पंजाब नेशनल  
बैंक

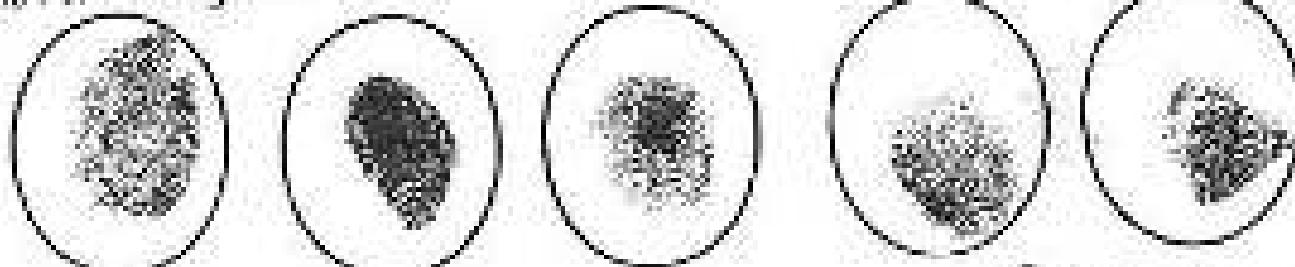
रजिस्ट्रेशन अधियो 1908 की आदा - 32 रुपये के अनुपालग्न हैं  
फिल्म प्रिवटर्स

संकेत नाम ए परा :- रेडियो एवं फिल्म

पाते हुए दी गणिती के चिन्ह :-



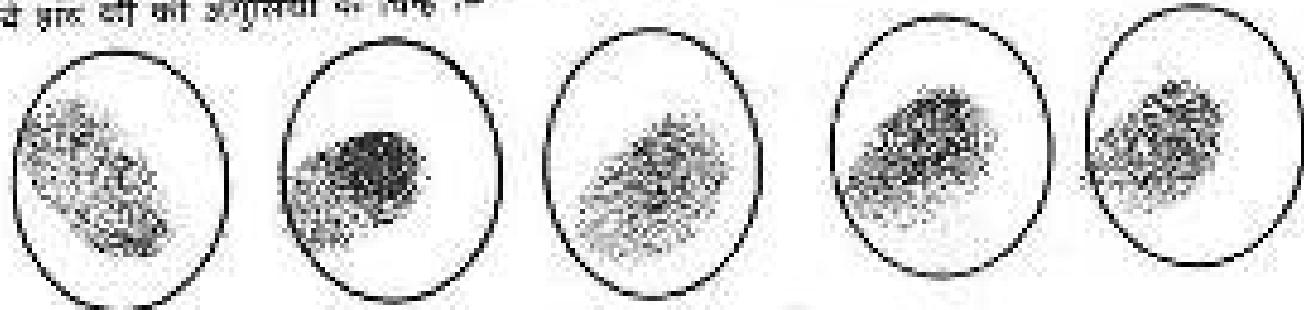
दाता गोपनी दी गणिती के चिन्ह :-



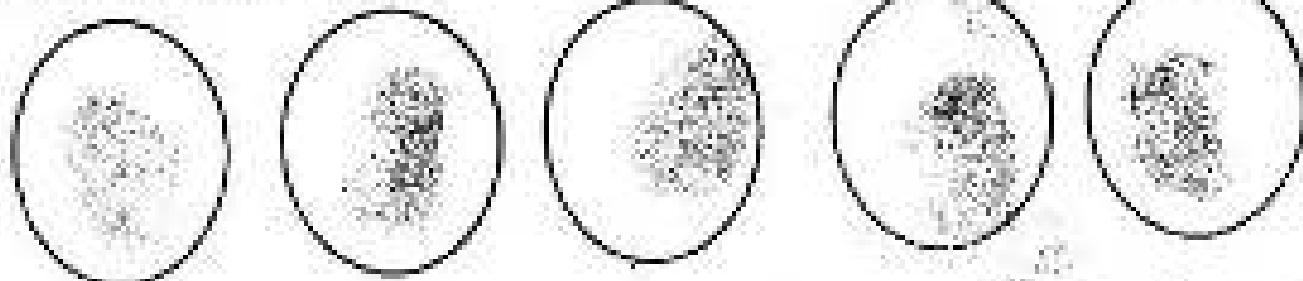
लैपटोप  
विडियो/फोटो/ड्रॉप के छवियाँ

विडियो/फोटो नाम ए पता :- रेडियो एवं फिल्म

पाते हुए दी गणिती के चिन्ह :-



दाता गोपनी दी गणिती के चिन्ह :-



लैपटोप  
विडियो/फोटो के छवियाँ

तीक्ष्णीयी ताजा ५० वर्टेक्स  
दुखाली वी चिक्कु  
देखा दुखि  
चिक्कु देखा दुखि



दीक्षियी दुखाली  
दुखाली वी चिक्कु  
देखा दुखि  
चिक्कु देखा दुखि



१ नियम प्रोत्ता दिव।  
नियम वज्रन नी प्रोत्ता दिव  
दु दु प्रोत्ता दिव  
देखा दुखि

*[Signature]*

नियम नियम वज्रन नी दुखाली

२ दु दु देखा दिव दु

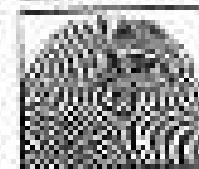
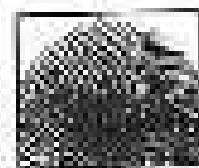
दु दु देखा दिव दु

देखा दुखि

नियम देखा दुखि

देखा दु

दुखाली दु देखा दु देखा दिव दु दु



*[Signature]*  
शाहजहां शुभा  
दुखाली दिव (प्रदान)  
लखनऊ  
३०/१२/२०१८

इस प्रकार युनिव्हर्सिटी ग्रन्थ मूल्य रुप 5,92,65/- (तीनवटा पाँच  
लाख बालांडे रुपयार इस से हाप्तव्वग नाही) विक्रेतानाम ने केला आण  
लिखी नाचा लिताळी प्राप्ति लिकेतानाम अधिकार करता आहे।  
ओट - पुढे राज्याता १७ वा १८ पर घेणा शांकायांचे एक ले लिली आहे।

लिपी - १८८८  
मुद्रित दिन

लालांड  
दिनांक: २६.१२.२००६

मध्याह

१. फॉन एम्प्रेस डिप्पिं  
अमेरिका नोंदवा नाम दिलावा  
दाव दिलावा

मुल्य दिलावा  
मानी दिलावा  
त्रिप्राप्ति  
विक्रेतानाम

२. फॉन एम्प्रेस डिप्पिं  
अमेरिका नोंदवा नाम दिलावा  
दाव दिलावा

केला

एकूण दिलावा  
(दाव दिलावा)  
सुलिला फोर्ट, लालांड

ग्रन्थिकारां  
(कृष्ण अश्वर दुर्देव)  
उद्योगी

१५०३१.०८ २४१७११.०८

प्राप्ति वीक्षण  
मेरा नियन्त्रण  
दूर संचय के ८०% लिए  
होते हैं।  
जिसी वज्री बोलता जब तभी  
दूर संचय  
मेरा संचय का बरंग देखता है।  
मेरे लिए इसे दूर संचय।

विकल्प एवं

विकल्प  
के लिए

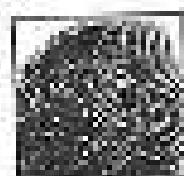
१५०३१.०८ २४१७११.०८  
कल उड़ी तुम रोम का साथ

विकल्प  
के लिए



नियन्त्रण  
मेरा नियन्त्रण (मेरा)  
जब तभी

दूर संचय  
मेरा नियन्त्रण



नियन्त्रण विकल्प का लिये व बनानी चाहता है। अब ये विकल्प का विकल्प आव

विकल्प

प्राप्ति वीक्षण  
दूर संचय की लिए लिए  
होता जाता है।  
जिसी वज्री बोलता है।



प्राप्ति वीक्षण  
दूर संचय की लिए लिए  
होता जाता है।  
जिसी वज्री बोलता है।

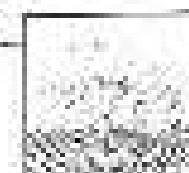
प्राप्ति वीक्षण  
दूर संचय की लिए लिए  
होता जाता है।  
जिसी वज्री बोलता है।

विकल्प



प्राप्ति वीक्षण  
दूर संचय की लिए लिए  
होता जाता है।  
जिसी वज्री बोलता है।

विकल्प



प्राप्ति वीक्षण  
दूर संचय की लिए लिए  
होता जाता है।  
जिसी वज्री बोलता है।

विकल्प

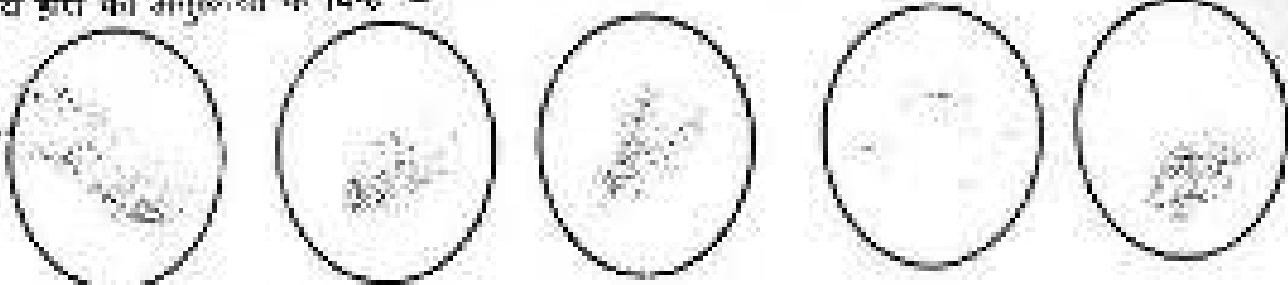


रजिस्ट्रेशन अधिनं 1908 की धारा - 32 द्वारा के प्रत्युपालन हेतु।

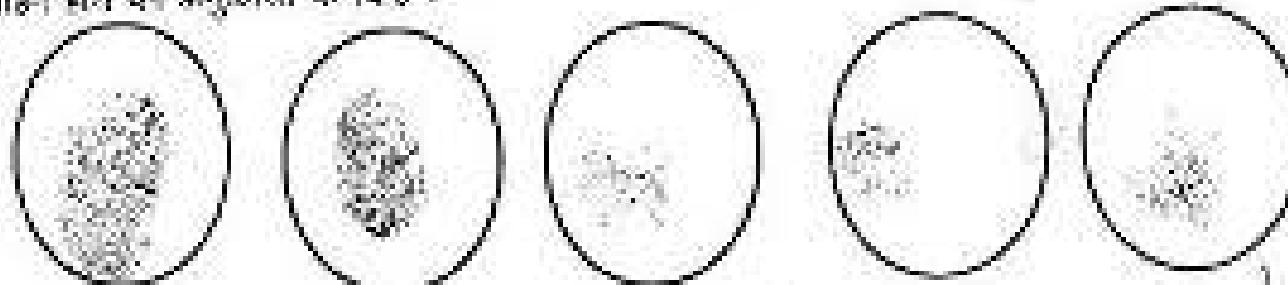
### फिल्स एंड ब्रिटिश

संस्कृता विद्या नाम व पता - श्रीकृष्ण चतुर्भुज विद्यालय  
लिप्यन्त्र विद्यालय - गोपनीय श्रीकृष्ण चतुर्भुज

वार्षिक दारा की अनुलिखी के लिए -



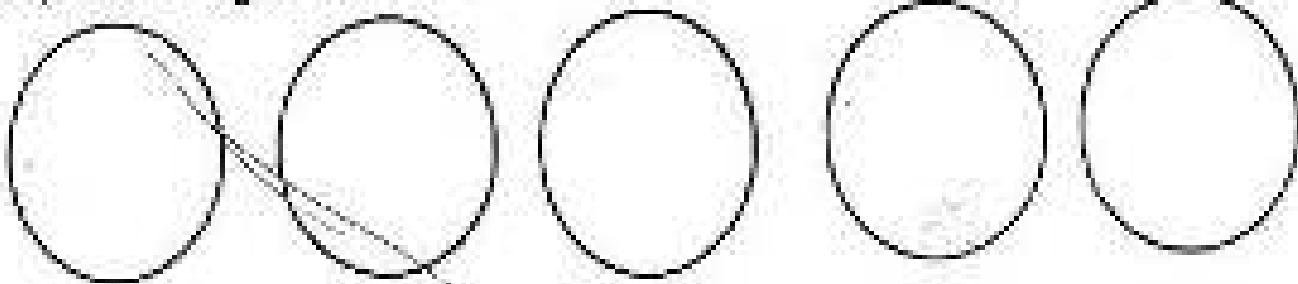
वाहिनी दारा की अनुलिखी के लिए -



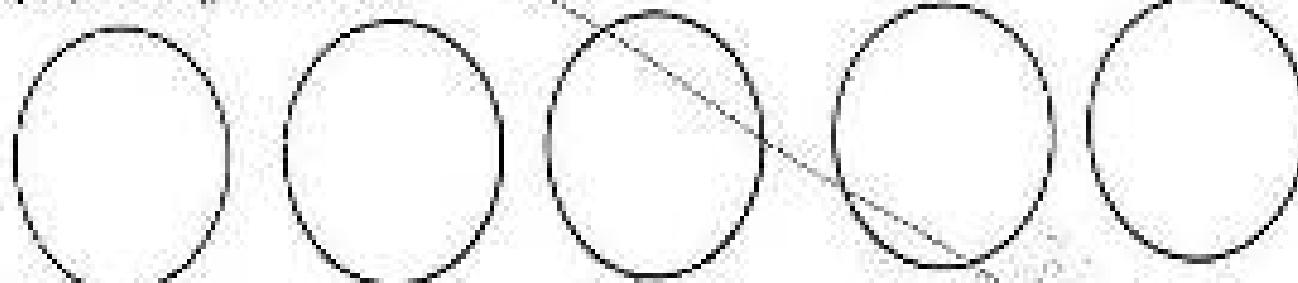
प्रत्युपालन अनुलिखी के लिए

विद्यालय नाम व पता -

वार्षिक दारा की अनुलिखी के लिए -



वाहिनी दारा की अनुलिखी के लिए -



विद्यालय दो-हजार

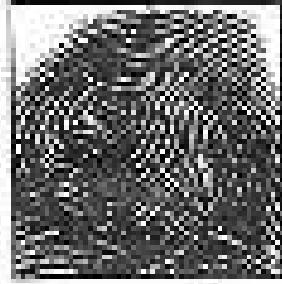
1471

Registration No. 1471.

0201. নিচের সম্বল  
স্তোত্র পাঠের পথ  
শিশু পাঠ পঞ্জীয়ন প্রক্ষেপ  
প্রক্ষেপ

No. 2030

Book No.



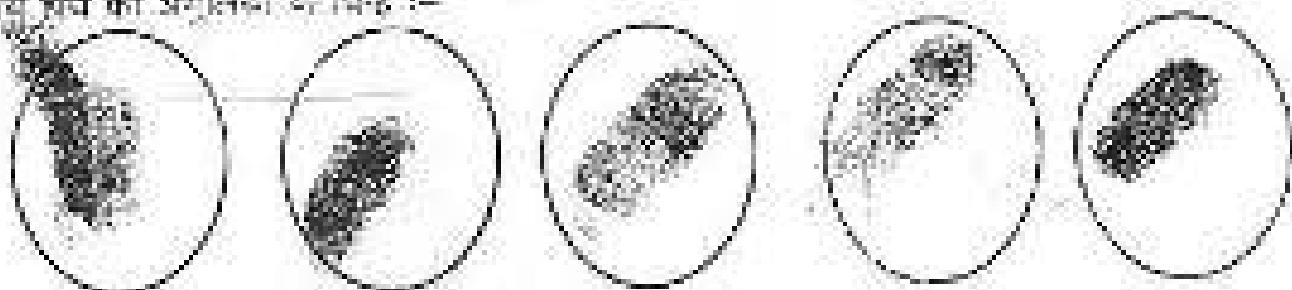
✓

दिल्ली शब्दाव डॉक्टर 1906 की आस्ती - 32 दूजे के अनुपालन हेतु  
फिल्म सी प्रिन्टर्स

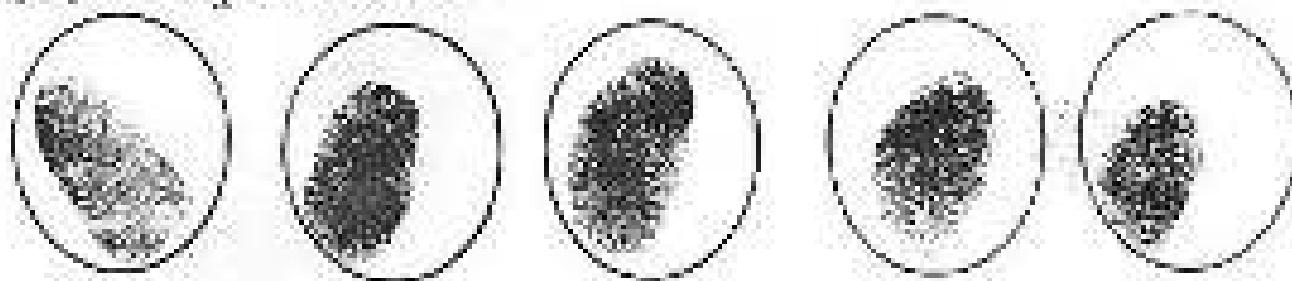
दिल्ली शब्दाव डॉक्टर 1906 की आस्ती - 32 दूजे के अनुपालन हेतु

दिल्ली शब्दाव डॉक्टर 1906 की आस्ती - 32 दूजे के अनुपालन हेतु

दिल्ली शब्दाव का अनुपालन 32 दूजे :-



दिल्ली शब्दाव का अनुपालन के चिन्ह :-



मनोहर जैल

मनोहर जैल का अनुपालन

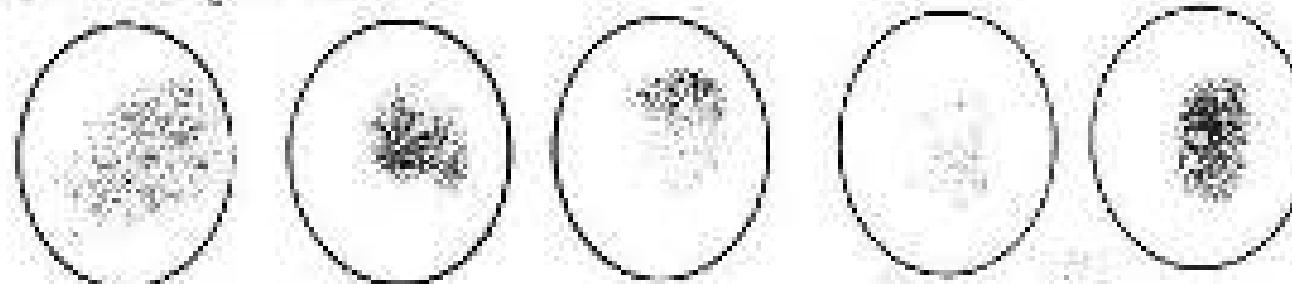
मनोहर जैल का अनुपालन - 32 दूजे के अनुपालन हेतु

मनोहर जैल का अनुपालन - 32 दूजे के अनुपालन हेतु

दिल्ली शब्दाव का अनुपालन के चिन्ह :-



दिल्ली शब्दाव का अनुपालन के चिन्ह :-



मनोहर जैल

मनोहर जैल का अनुपालन

Registration No. 17631

Pattern

Year 2006

Serial No.

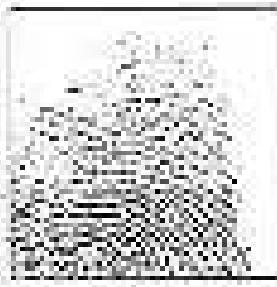
D161 विष्वास

पीपी प्रिंट  
सेल्फ एक्सिस  
डिजिटल



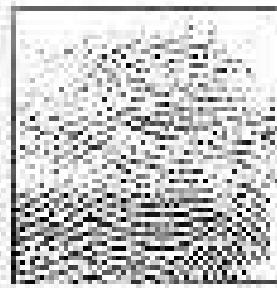
D162 विष्वास डिजिटल

पीपी प्रिंट  
सेल्फ एक्सिस  
डिजिटल



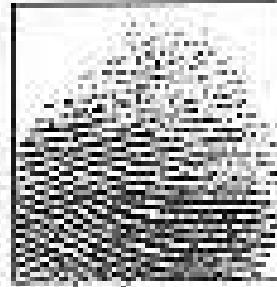
D163 दृश्य व्हायर

पीपी प्रिंट  
सेल्फ एक्सिस  
डिजिटल



D164 विष्वास डिजिटल

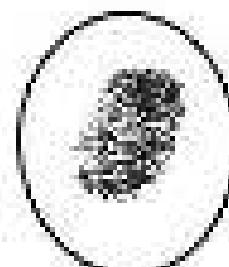
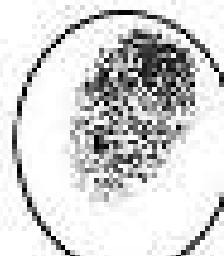
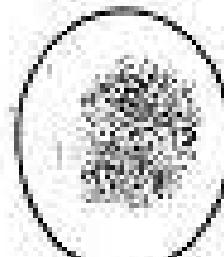
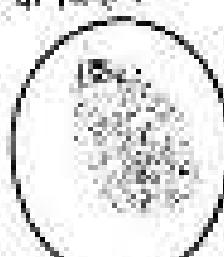
पीपी प्रिंट  
सेल्फ एक्सिस  
डिजिटल



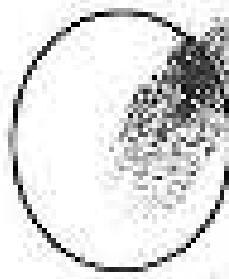
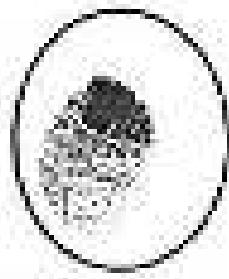
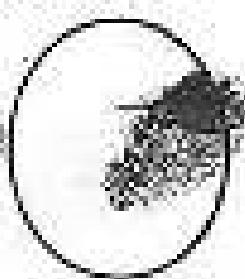
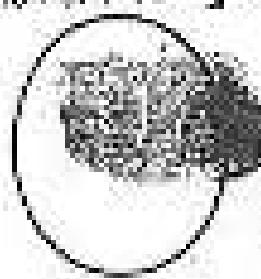
रेलिस्ट्रेशन अधिनि 1908 की आरा - 32 तु 30 के डाकूपालिन हेतु  
किंवार्ट प्रिंटर्स

प्रचलित/प्रिंट नाम व पता :- लग्नुपालिन देव  
लग्नुपालिन, लग्नुपालिन, लग्नुपालिन

वाये छांच की अंगुलियो के चिह्न :-



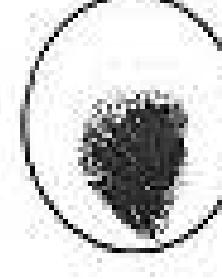
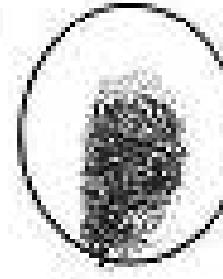
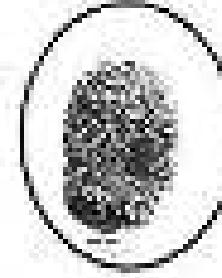
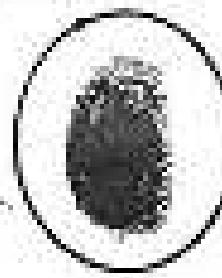
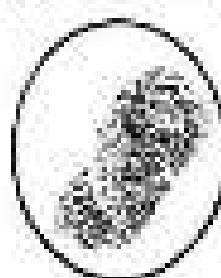
वाली छांच वी अंगुलियो के चिह्न :-



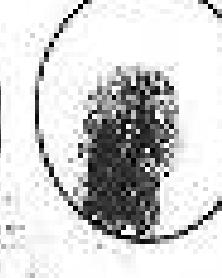
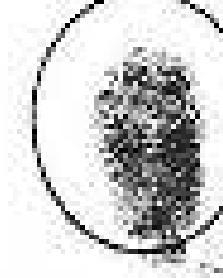
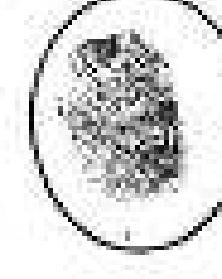
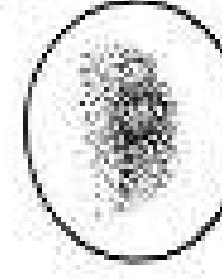
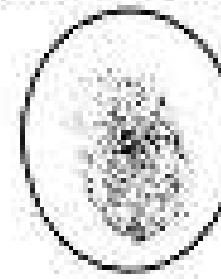
प्रचलित/प्रिंटर्स के चिह्न

विकलापिनी नाम व पता :- लग्नुपालिन

वाये छांच वी अंगुलियो के चिह्न :-



वाली छांच की अंगुलियो के चिह्न :-



भित्ति

Registration No. 1112

Date : 20/01/

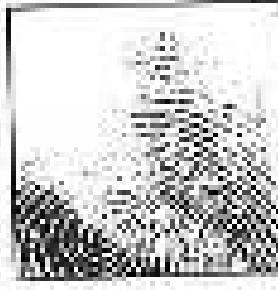
Page No. 1

ग्राहक नाम :

सर विजय

संस्कृत लिखना

पुस्तक

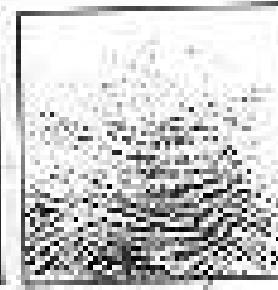


मुद्रक नाम :

सर विजय

संस्कृत लिखना

पुस्तक



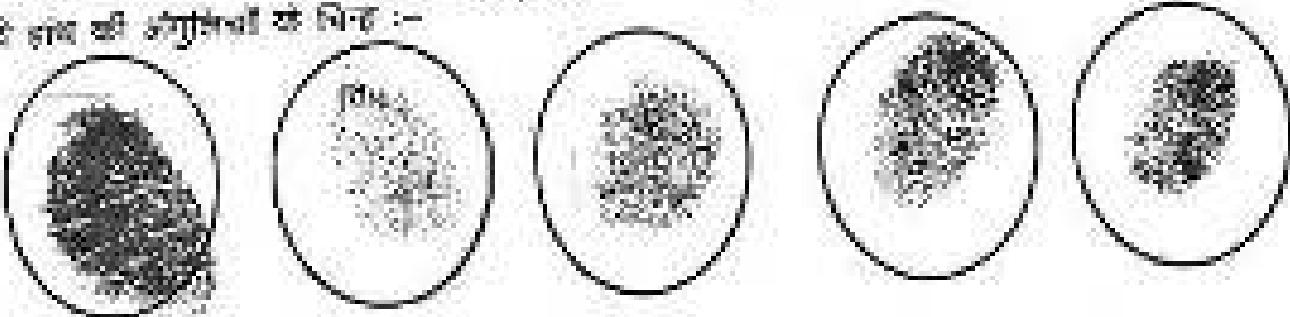
✓

✓

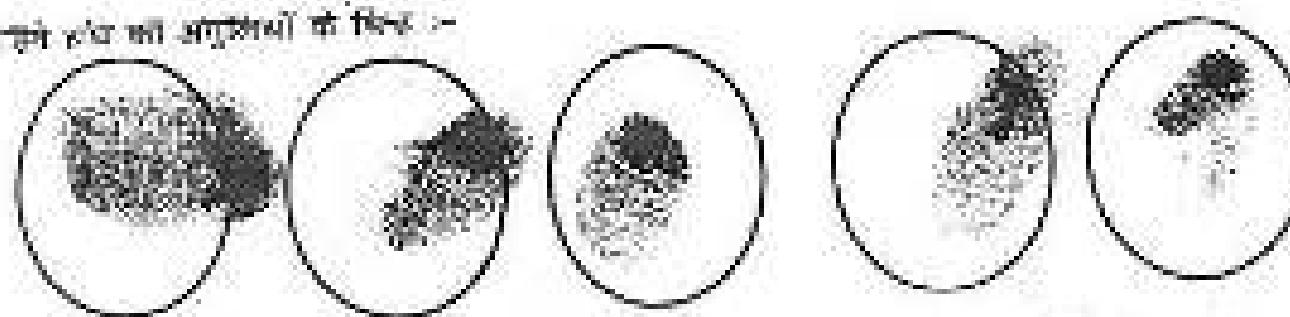
इंजिनियरिंग शाल अधिकारी 1908 की द्वारा - 32 तृष्ण के अनुपालन हेतु  
फ्रैंचरी प्रिंटर्स

प्रकाशन दोस्री बारी गति 4 पला :-

वाये हाथ की अगुलियों के चिन : -



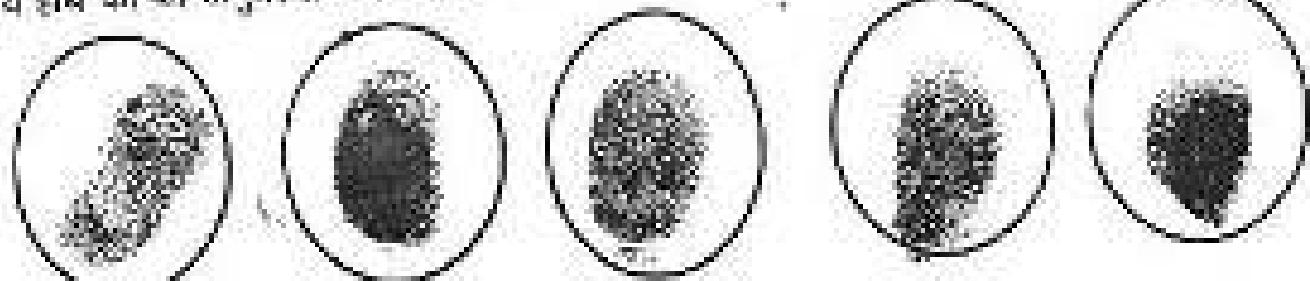
दहने हाथ की अगुलियों के चिन : -



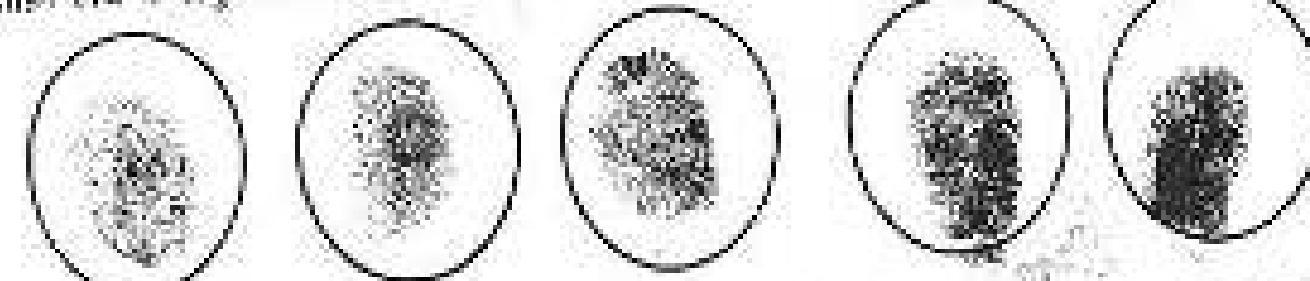
प्रकाशन दोस्री बारी गति 4 पला

प्रकाशन दोस्री बारी गति 4 पला :-

वाये हाथ की ली अगुलियों के चिन : -



लाभि हाय के अगुलियों के चिन :



प्रकाशन  
प्रिंटर्स द्वारा द्वारा

# नवरो नदी

जाम : बालाजी

आर्द्रा रात्रि— ३, अक्टूबर

विश्वामित्र : अमृतांकुष प. ५०४

संस्कार : शुद्धि चूड़ी

विश्वामित्र संवादिते वे विश्वामित्र विश्वामित्र एवं विश्वामित्र



जात नियंत्रण ३७/१२/२००६ को

कुल में 1 विषय के ५०१

कुल में १८३ में २३२ परिवहन ११०१

संग्रहीत विहार विभ.

प्रबन्ध अधिकारी  
प्रधानमंत्री (प्रधान)  
दाता  
३७/१२/२००६